भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4102

उत्तर देने की तारीख 18 अगस्त, 2025

सोमवार, 2025/27 श्रावण, 1947 (शक)

आईटीआई शाहपुर, कांगड़ा में ड्रोन प्रशिक्षण

4102. डॉ. राजीव भारद्वाजः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के आईटीआई शाहपुर में अब तक कितने व्यक्तियों को ड्रोन प्रशिक्षण प्रदान किया गया है और वर्तमान में कितने विद्यार्थी उक्त प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं;

(ख) उक्त ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि कितनी है; और

(ग) उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित विद्यार्थियों में से कितने प्रतिशत विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त हुआ है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग): कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अंतर्गत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) देश के युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) का क्रियान्वयन करता है।

सीटीएस के अंतर्गत, देश भर के 27 आईटीआई में वर्तमान में छह-छह महीने की अवधि के दो ड्रोन-संबंधी कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम–ड्रोन तकनीशियन और ड्रोन पायलट (जूनियर)– संचालित किए जा रहे हैं। हालाँकि, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में शाहपुर स्थित राजकीय आईटीआई में ये पाठ्यक्रम संचालित नहीं किए जाते हैं।

मार्च 2022 में, हिमाचल प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (आईजीआरयूए) के साथ, तीन वर्ष की अवधि के लिए राजकीय आईटीआई, शाहपुर में ड्रोन से संबंधित पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस पहल के अंतर्गत, विभिन्न विभागों, संगठनों, संस्थानों और कॉलेजों से 161 प्रतिभागियों ने ड्रोन से संबंधित पाँच दिवसीय अल्पावधिक पाठ्यक्रम अर्थात रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

*****